

11 कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, बढीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर 11

पत्रांक 166 / 12-1

दिनांक, गोपेश्वर, अक्टूबर 18 / 2024

सेवा में,

वन संरक्षक,
गढ़वाल वृत्त, उत्तराखण्ड, पौड़ी।

विषय:- जनपद चमोली में आलय से चलियापानी तक मोटर मार्ग हेतु 1.383 है० वन भूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग को प्रत्यावर्तन किये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी वन संरक्षण, उत्तराखण्ड देहरादून की पत्र सं० 1383 / 1जी-6095 दिनांक 06.12.2022.

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र के क्रम में अवगत कराना है कि अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी वन संरक्षण, उत्तराखण्ड देहरादून के साथ संलग्न भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय देहरादून द्वारा दिनांक 25.11.2022 के बैठक के कार्यवृत्त में विषयांकित प्रकरण के सम्बन्ध में चाही गयी आख्या के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, थराली की पत्र सं० 1205 / 36सी० दिनांक 05.08.2024 से आख्या निम्नानुसार इस कार्यालय को प्रेषित की गयी है:-

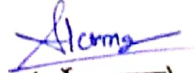
| भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय देहरादून द्वारा एफ०आर०सी०एग० बैठक दिनांक 25.11.2022 के कार्यवृत्त में चाही सूचना | आख्या |
|---|--|
| <p>After detailed discussion, it was decided that the State Government may direct the user agency and local forest officials, jointly to reassess and explore the possibility of connecting the village by means of alternate alignment avoiding forest or through less dense forest.</p> | <p>अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, थराली की पत्र सं० पत्र सं० 1205 / 36सी० दिनांक 05.08.2024 एवं 734 / 36सी० दिनांक 22.05.2024 से अवगत कराया गया है कि वैकल्पिक संरक्षण का चयन कर उसमें आ रहे वृक्षों की गिनती वन क्षेत्राधिकारी, पश्चिमी पिण्डर रेंज, नारायणबगड़ के साथ की गयी जिसमें कुल 117 वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं परन्तु इस नये संरक्षण में 400मी० लम्बाई नाप भूमि अधिक होने से ग्रामीण एवं भू-स्वामियों द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है ग्रामवासियों की कृषि योग्य भूमि कम होने के कारण अपनी नाप भूमि देने से मना किया जा रहा है, तथा द्वितीय संरक्षण में मार्ग की लम्बाई लागत बढ़ रही है एवं मार्ग की लम्बाई अधिक होने से अधिक वन भूमि प्रभावित हो रही है, केवल वृक्ष कम आ रहे हैं। विषयांकित मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित संरक्षण पर वृक्षों की गणना कर वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव (FP/UK/Road / 145620 / 2021) गठित किया गया था, जिसमें उपरोक्त वैकल्पिक संरक्षण की तुलना में 142 वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं। उक्त संरक्षण में ज्यादा वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं, किन्तु मार्ग की</p> |

लम्बाई/लागत कम आने के साथ ही कम वन भूमि भी प्रभावित हो रही है। मार्ग में प्रथम संरेखण में पड़ने वाली भूमि का अनापत्ति प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है। प्रथम संरेखण(प्रस्तावित संरेखण) में नाप भूमि की अनापत्ति ग्रामीणों द्वारा दी गयी है(संलग्न-1)। प्रथम संरेखण भूगर्भीय दृष्टि से भू-वैज्ञानिक द्वारा उपयुक्त पाया गया है, तथा उनके द्वारा अपने सं० 1205/36सी० दिनांक 05.08.2024 से द्वितीय संरेखण (वैकल्पिक संरेखण) से सम्बन्धित संरेखण का तुलनात्मक विवरण संलग्न किया गया है (संलग्न-2)।

तथा वैकल्पिक संरेखण की के०एम०एल० फाईल जिसमें प्रभावित वन भूमि दर्शित कर दिया गया है। के०एम०एल० फाईल को पार्ट 1 के यथारथान अपलोड किया जा चुका है। ग्राम वासियों द्वारा प्रथम संरेखण प्रस्तावित संरेखण जिस हेतु पूर्व में गठित वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव (FP/UK/Road/145620/2021) बनाया गया है उस संरेखण पर ही सहमति दी गयी है, तथा प्रस्तावित संरेखण से मोटर मार्ग का निर्माण से यह मार्ग एक लिंक रोड़ के रूप में कार्य करेगा उक्त मार्ग परखाल घोपता मोटर मार्ग व परखाल डुंग्री मोटर मार्ग आपस में जुड़ जायेंगे, जिससे ग्राम आल्यू के साथ-साथ ग्राम डुंग्री, रेगांव, सिलकोटी व सीरी के निवासियों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त विषयांकित वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव में अपने स्तर से यथोचित कार्यवाही करने की कृपा करे।
संलग्न:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,



(सर्वेश कुमार)

प्रभागीय वनाधिकारी,

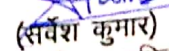
बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।

पत्रांक:-1662

/12

दिनांकित।

प्रतिलिपि:- अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, थराली को उपरोक्तानुसार सूचनार्थ प्रेषित।



(सर्वेश कुमार)

प्रभागीय वनाधिकारी,

बद्रीनाथ वन प्रभाग, गोपेश्वर।